S-101 Roll No. …………………..

HD–06

हिन्दी भाषा एवं प्रयोजनमूलक हिन्दी

कला में स्नातक (बी. ए.–10)

तृतीय वर्ष, सत्र 2018

समय : 3 घण्टा पूर्णांक : 80

नोट : यह प्रश्न पत्र अस्सी (80) अंकों का है जो तीन (03) खण्डों 'क', 'ख' तथा 'ग' में विभाजित है। शिक्षार्थियों को इन खण्डों में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

खण्ड–क

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में चार (04) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं। प्रत्येक प्रश्न के लिए उन्नीस (19) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल दो (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. हिन्दी भाषा और उसकी बोलियों का परिचय सविस्तार दीजिए।
2. देवनागरी लिपि की विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।
3. प्रयोजनमूलक हिन्दी का तात्पर्य स्पष्ट करते हुए उसकी प्रमुख विशषताओं—प्रकृति को रेखांकित कीजिए।
4. अनुवाद की प्रक्रिया स्पष्ट करते हुए उसके प्रमुख प्रकारों का उल्लेख कीजिए।

खण्ड–ख

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं। प्रत्येक प्रश्न के लिए आठ (08) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल चार (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. भाषा के प्रमुख लक्षण निर्धारित कीजिए।
2. हिन्दी भाषा के भौगोलिक विस्तार को स्पष्ट कीजिए।
3. देवनागरी लिपि की उत्पत्ति को दर्शित करते हुए उसके नामकरण पर विचार कीजिए।
4. राजस्थानी भाषा की प्रमुख बोलियों का परिचय प्रस्तुत कीजिए।
5. सामान्य हिन्दी और साहित्यिक हिन्दी में पार्थक्य स्पष्ट कीजिए।
6. राजभाषा अधिनियम, 1976 की प्रमुख धाराओं का परिचय प्रस्तुत कीजिए।
7. राजभाषा के रूप में हिन्दी के महत्व पर प्रकाश डालिए।
8. कार्यालयी हिन्दी की विशेषताओं—प्रकृति का निर्धारण कीजिए।

खण्ड–ग

(वस्तुनिष्ठ प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ग' में दस (10) वस्तुनिष्ठ प्रश्न दिये गये हैं। प्रत्येक प्रश्न के लिए एक (01) अंक निर्धारित है। इस खण्ड के सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए :

1. पूर्वी हिन्दी का विकास .... अपभ्रंश से हुआ है।

(मागधी / अर्द्धमागधी / ब्राचड़)

2. सिंधी भाषा का विकास .... अपभ्रंश से हुआ है।
(ब्राचड़ / मराठी / मागधी)

3. केशवदास .... के कवि हैं। (अवधी / ब्रजभाषा / खड़ी बोली)

4. मराठी भाषा की लिपि .... है। (खरोष्ठी / द्राविड़ / देवनागरी)

5. राजस्थानी का सम्बन्ध .... अपभ्रंश से है।
(शौरसेनी / पैशाची / मागधी)

6. सर्राफा / बाजार की भाषा-प्रयुक्ति .... है।
(तकनीकी हिन्दी / वाणिज्य हिन्दी / कार्यालयी हिन्दी)

7. कठपुतली .... संचार साधन है।
(लोक माध्यम / श्रव्य / दृश्य-श्रव्य)

8. फ्री ट्रान्सलेशन .... को कहा जाता है।
(शब्दानुवाद / भावानुवाद / छायानुवाद)

9. .... के अनुसार संघ की राजभाषा हिन्दी होगी।
(अनुच्छेद 344 / अनुच्छेद 343 (1) / अनुच्छेद 345)

10. आठवीं अनुसूची का सम्बन्ध .... से है।
(अनुच्छेद 343 / अनुच्छेद 351 / अनुच्छेद 376)